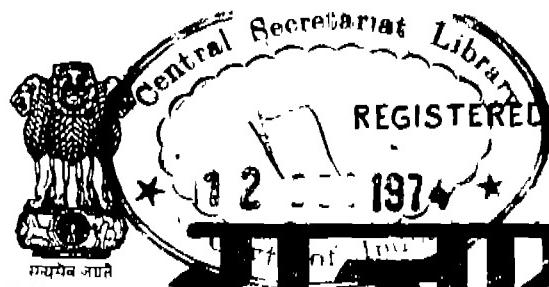


रजिस्ट्री सं. डी- 222



# आरत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 47]

नई दिल्ली, शमिश्वार, नवम्बर 23, 1974 (अग्रहायण 2, 1896)

No. 47] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 23, 1974 (AGRAHAYANA 2, 1896)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न वी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भोदिस  
(NOTICE)

नीचे लिखे भारत के असाधारण राजपत्र 28 फरवरी 1973 तक प्रकाशित किये गये हैं :—

The undermentioned Gazzettes of India Extraordinary were published up to the 28th February 1973 :—

बंक Issue	संख्या और तिथि No. and Date	इस्सा जारी किया गया Issued by	विषय Subject

— एन्ड —  
— Nil —

ऊपर लिखे असाधारण राजपत्रों की प्रतियां, प्रकाशन नियन्त्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली के नाम मांग-पत्र भेजने पर भेज दी जाएंगी। मांग-पत्र नियन्त्रक के पास इन राजपत्रों की तिथि से दस दिन के भीतर पहुंच जाने चाहिए।

Copies of the Gazzettes Extraordinary mentioned above will be supplied on Indent to the Controller of Publications Civil Lines, Delhi. Indents should be submitted so as to reach the Controller within ten days of the issue of these Gazzettes.  
331GI/74 (975)

### विषय-सूची

	पृष्ठ		पृष्ठ
भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा प्रादेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . . .	975	भाग II—खंड 3—उपखंड (ii)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं . . . .	3249
भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी प्रफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . . .	1799	भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और प्रादेश . . . .	409
भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . . .	—	भाग III—खंड 1—महालेखा परीक्षक, संघ लोक-सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के अधीन तथा संलग्न कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं . . . .	6647
भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई प्रफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . . .	1267	भाग III—खंड 2—एकस्थ कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिस . . . .	833
भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम . . . .	—	भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं . . . .	—
भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयकों संबंधी प्रवर समितियों की रिपोर्ट . . . .	—	भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विधिक अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं . . . .	523
भाग II—खंड 3—उपखंड (i)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं) . . . .	2847	भाग IV—गैर सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस . . . . पूरक संख्या 47— 16 नवम्बर, 1974 को समाप्त होने वाले सप्ताह की महामारी संबंधी साप्ताहिक रिपोर्ट . . . . 26 अक्टूबर, 1974 को समाप्त होने वाले सप्ताह के दौरान भारत में 30,000 तथा उससे अधिक आवादी के शहरों में जन्म तथा घड़ी वीमारियों से हुई मृत्यु सम्बंधी आकड़े . . . .	165 1463 1475

### CONTENTS

PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court . . . .	PAGE 975	PART II—SECTION 3.—Sub. SEC. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) . . . .
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court . . . .	1799	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence . . . .
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence . . . .	1267	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India . . . .
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence . . . .	—	PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Offices, Calcutta . . . .
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations . . . .	—	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners . . . .
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills . . . .	—	PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies . . . .
PART II—SECTION 3.—Sub. SEC. (i).—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) . . . .	2847	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies . . . .
		SUPPLEMENT NO. 47
		Weekly Epidemiological Reports for week ending 16th November 1974 . . . .
		Births and Deaths from Principal diseases in towns with a population of 30,000 and over in India during week ending 26th October, 1974 . . . .

## भाग I—खंड 1

## PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय की छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर मियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

**Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Supreme Court**

मंत्रीमण्डल सचिवालय  
(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

## नियम

नई दिल्ली-1, दिनांक 23 नवम्बर 1974

सं० 10/20/74-सी० एस०-II—मंत्रीमण्डल सचिवालय में कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान द्वारा 1975 में निम्नलिखित सेवाओं/पदों में अस्थायी रिक्तियों में नियुक्ति के लिए सी जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के नियम सर्वसाधारण की सूचना के लिए प्रकाशित किये जाते हैं:—

- (1) भारतीय विदेश सेवा (ख) ग्रेड 6
- (2) रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा- ग्रेड 2
- (3) केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा अवर श्रेणी ग्रेड
- (4) सशस्त्र मेना मुद्यालय लिपिक सेवा अवर श्रेणी ग्रेड
- (5) संसदीय कार्य विभाग, नई दिल्ली में अवर श्रेणी लिपिक के पद।
- (6) विशेष महानिरीक्षक, भारत-तिव्वत सीमा पुलिस, दिल्ली के कार्यालय में अवर श्रेणी लिपिक के पद
- (7) उपर्युक्त सेवाओं के अन्तर्गत न आने वाले भारत सरकार के अन्य विभागों तथा संघ कार्यालयों में अवर श्रेणी लिपिक के पद।

कोई उम्मीदवार उपर्युक्त सेवाओं/पदों में से किसी भी एक या एक से अधिक सेवाओं/पदों के लिए आवेदन कर सकता है। यदि वह चाहे तो उसे केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा की आरक्षित सूची में शामिल करने के लिए भी विचार किया जा सकता है। वह जितनी भी सेवाओं/पदों के लिए विचार करवाना चाहे उन सबका उल्लेख आवेदन-पत्र में करे।

नोट:—उम्मीदवारों को चाहिए कि वे जिन सेवाओं/पदों के लिए विचार करवाना चाहते हैं, प्राथमिकता क्रम-स्पष्टत: निखें। उम्मीदवार द्वारा प्रारम्भ में आपने आवेदन पत्र में निर्दिष्ट सेवाओं/पदों के प्राथमिकता क्रम में परिवर्तन करने की किसी भी ऐसी प्रार्थना पर, जो सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान के कार्यालय में परीक्षा की तिथि से दोन मास के अन्दर न मिल जाए, विचार नहीं किया जाएगा।

2. परीक्षा के परिणाम पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संस्था संस्थान द्वारा जारी की गई सूचना में निर्दिष्ट की जाएगी। भारत सरकार द्वारा निर्धारित रिक्तियों में भूतपूर्व सैनिक तथा अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षण किया जाएगा।

भूतपूर्व सैनिक का अर्थ उस व्यक्ति में है जो संघ को सशस्त्र सेना में किसी पद पर (चाहे लड़ाकू के रूप में रहा हो अथवा नहीं) निरन्तर 6 मास की अवधि तक रहा हो और दुराचार या अव्यक्तता के कारण पदब्युत सेवा मुक्त किए जाने को छोड़कर अन्य किसी भी कारण से नौकरी से मुक्त कर दिया गया है।

स्पष्टीकरण:—इन नियमों के लिए “संघ की सशस्त्र सेना” में भूतपूर्व भारतीय रियासतों की सशस्त्र सेनाएं शामिल होंगी परन्तु निम्न सेनाओं के सदस्य शामिल नहीं हैं अर्थात्:—

- (क) आसाम राष्ट्रफल्स;
- (ख) लोक सहायक सेना; तथा
- (ग) जनरल रिजर्व हंजीनियर फोर्स।

अनुसूचित जाति/आदिम जाति का अर्थ उस किसी भी जाति/आदिम जाति से है जिसका अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित आदिम जाति आदेश संशोधन सूचियां अधिनियम, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960 तथा पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, के साथ पठित अनुसूचित जाति/आदिम जाति (तरमीम) आदेश 1956, संविधान (जमू व काश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश 1956, संविधान (अंडमान तथा निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1959, संविधान (दादरा तथा नागर हवेली) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1962, संविधान (दादरा तथा नागर हवेली) अनुसूचित जाति आदेश, 1962, संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जाति आदेश, 1964, संविधान (आदिम जाति) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967, संविधान (गोप्रा, दमन व दीव) आदिम जाति आदेश, 1968, तथा संविधान (नागालैंड) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1970 में उल्लेख है।

3. सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान द्वारा इस परीक्षा का संचालन इन नियमों के परिशिष्ट 1 में निहित विधि से किया जाएगा।

परीक्षा की तारीखें और स्थान संस्थान द्वारा निर्धारित किये जाएंगे।

- 4. यह आवश्यक है कि उम्मीदवार या तो
- (क) भारत का नागरिक हो, या

- (ख) सिक्खिकम की प्रजा, या
- (ग) नेपाल की प्रजा, या
- (घ) भूटान की प्रजा, या
- (ङ) ऐसा तिथ्वती शरणार्थी हो, जो भारत में स्थायी रूप से बसने की इच्छा से 2 जनवरी, 1962 से पहले भारत में आ गया हो, या
- (च) ऐसा मूल भारतीय व्यक्ति हो, जो भारत में स्थायी रूप से बसने की इच्छा से पाकिस्तान, बंगला देश, बर्मा, श्रीलंका, तथा पूर्वी अफ्रीकी देशों केत्या, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तनजानिया (भूतपूर्व तांगानिका और जंजीबार) से प्रव्रजित हुआ हो परन्तु ऊपर की श्रेणी (ग), (घ), (ङ) और (च) से संबंधित उम्मीदवारों के पास भारत सरकार द्वारा उनके नाम दिया गया पात्रता प्रमाण पत्र होना चाहिए।

परन्तु निम्नलिखित में से किसी भी श्रेणी से संबंधित उम्मीदवारों के मामलों में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक नहीं होगा :—

- (1) वे व्यक्ति जो 19 जुलाई, 1948 से पहले पाकिस्तान से भारत में प्रव्रजित हुए और तभी से आमतौर पर भारत में ही रह रहे हैं।
- (2) वे व्यक्ति जो 19 जुलाई, 1948 को या इसके बाद पाकिस्तान से भारत में प्रव्रजित हुए और भारत के संविधान के अनुच्छेद 6 के अधीन अपने को भारत के नागरिक पंजीकृत करा चुके हैं।
- (3) ऊपर की श्रेणी (घ) के बे गैर-नागरिक जो संविधान लागू होने की तारीख अर्थात् 26 जनवरी 1950 से पहले भारत सरकार की सेवा में आ गए, और तभी से लगातार उस सेवा में हैं। परन्तु जो व्यक्ति सेवा भंग करके 26 जनवरी, 1950 के बाद उस सेवा में फिर आया हो अथवा फिर आए, उसे श्रीरों की भाँति पात्रता प्रमाण पत्र लेना आवश्यक होगा।

इसके अतिरिक्त एक शर्त यह भी है कि उपर्युक्त श्रेणी (ग) (घ) तथा (ङ) के उम्मीदवार भारतीय विदेश सेवा (ख) ग्रेड-6 में नियुक्ति के पात्र नहीं होंगे।

किसी ऐसे उम्मीदवार को, जिसके मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक है, यदि सरकार आवश्यक प्रमाण-पत्र दे देतो उसे परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है तथा अन्तिम रूप से उसकी नियुक्ति भी की जा सकती है।

5. जो उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति से सम्बन्धित न हो, या संघ गज्ज थोक पांडिचेरी का निवासी न हो या संघ राज्य थोक गोआ, दमन तथा दीव का निवासी न हो, या केन्या, उगांडा और संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व तांगानिका और जंजीबार) से प्रव्रजन करके न आया हो, वह प्रतियोगिता में दो से अधिक बार नहीं बैठ सकता, किन्तु यह प्रतिबन्ध सन 1961 में हुई परीक्षा से लागू होगा।

टिप्पणी 1. यदि परीक्षा के परिणाम के प्रकाशित होने से पहले अथवा बाद में किसी भी समय यह पाया गया कि उम्मीदवार परीक्षा में दो बार पहले ही बैठ चुका था और इस परीक्षा में बैठने का पात्र नहीं था तो उसका परिणाम, यथास्थिति, रोक लिया जाएगा अथवा रद्द कर दिया जाएगा और नियम 15 के अनुसार आगे कार्रवाई की जाएगी।

टिप्पणी 2. यदि कोई उम्मीदवार एक या अधिक सेवाओं/पदों के लिए प्रतियोगिता करतो इस नियम के प्रयोजन के लिए उस उम्मीदवार की परीक्षा के अन्तर्गत आने वाली सभी सेवाओं/पदों के लिए एक बार प्रतियोगिता परीक्षा में बैठा माना जाएगा।

टिप्पणी 3. किसी उम्मीदवार को प्रतियोगिता परीक्षा में बैठा हुआ तब माना जाएगा जब वह बास्तव में किसी एक या अधिक विषयों की परीक्षा में बैठा हो।

6. (क) इस परीक्षा में बैठने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार की आयु पूरे 18 वर्ष की हो गई हो और 1 जनवरी, 1975 को पूरे 25 वर्ष की न हुई हो, अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1950 से पहले और 1 जनवरी, 1957 के बाद न हुआ हो।

(ख) उन भूतपूर्व सैनिकों के मामले में जिन्होंने संघ की सशस्त्र सेना में कम गे कम छ: भानीने की निरन्तर सेवा की हो, उनकी सशस्त्र सेना में कुल सेवा में तीन वर्ष की वृद्धि तक ऊपरी आयु सीमा में छूट दी जाएगी।

परन्तु इस आयु छूट के अधीन परीक्षा में प्रवेश पाने वाले उम्मीदवार केवल भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित रिक्तियों के लिए ही प्रतियोगी होने के हकदार होंगे।

नोट :—उपरोक्त नियम 6 (ख) के प्रयोजन के लिए किसी भूतपूर्व कर्मचारी की सशस्त्र सेना में अद्वान पर सेवा की अवधि भी सशस्त्र सेना में की गई सेवा के रूप में समझी जाएगी।

(ग) उक्त ऊपरी आयु सीमा में निम्नलिखित और अधिक छूट दी जाएगी :—

(1) यदि उम्मीदवार अनुमूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति से सम्बन्धित हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष तक,

(2) यदि उम्मीदवार बंगला देश (भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान) से आया हुआ बास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व प्रव्रजन करके भारत में आया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,

(3) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति से सम्बन्धित हो तथा बंगला देश (भूतपूर्व पूर्वी

- पाकिस्तान) से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व प्रवर्जन कर भारत आया हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक,
- (4) यदि उम्मीदवार संघ राज्य क्षेत्र पांडिचेरी का निवासी हो और किसी स्तर पर उसकी शिक्षा क्षेत्र भाषा के माध्यम से हुई हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष तक,
- (5) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से आया हुआ वास्तविक देश-प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति हो और अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के प्रधीन पहली नवम्बर, 1964 को या उसके बाद श्रीलंका से भारत में प्रवर्जित हुआ हो तो अधिकतम 3 वर्ष तक,
- (6) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति से सम्बन्धित हों तथा श्रीलंका से आया हुआ वास्तविक देश-प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति हो और अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के प्रधीन पहली नवम्बर, 1964 को या उसके पश्चात श्रीलंका से भारत में प्रवर्जित हुआ हो तो अधिकतम 8 वर्ष तक,
- (7) यदि उम्मीदवार संघ राज्य क्षेत्र गोवा, दमन और दीव का निवासी हों तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (8) यदि उम्मीदवार भारतीय मूल का हो और केन्या, उगांडा और संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व तांगानिका और जंजीबार) से प्रवर्जित हो तो अधिकतम तीन वर्ष तक,
- (9) यदि उम्मीदवार बर्मा से आया हुआ वास्तविक देश-प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति हो और पहली जून 1963 को या उसके पश्चात भारत से प्रवर्जित हुआ हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक,
- (10) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति से सम्बन्धित हों तथा बर्मा से आया हुआ वास्तविक देश-प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति हो और पहली जून, 1963 को या उसके पश्चात भारत में प्रवर्जित हुआ हो तो अधिकतम 8 वर्ष तक,
- (11) किसी दूसरे देश से झगड़ों के दौरान अथवा उपद्रव-ग्रस्त दलालों में फौजी कार्यवाहियां करते समय अशक्त हुए तथा उसके परिणामस्वरूप नौकरी से निर्मुक्त ऐसे रक्षा सेवा कार्मिकों के मामले में अधिकतम 3 वर्ष तक,
- (12) किसी दूसरे देश से झगड़ों के दौरान अथवा उपद्रव-ग्रस्त दलालों में फौजी कार्यवाहियां करते समय अशक्त हुए तथा उसके परिणामस्वरूप नौकरी से निर्मुक्त ऐसे रक्षा सेवा कार्मिकों के मामले में जो
- अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित आदिम जातियों से सम्बन्धित हों, अधिकतम 8 वर्ष तक,
- (13) सीमा सुरक्षा दल के कार्मिकों के लिए जो भारत-पाकिस्तान संघर्ष 1971 के दौरान अशक्त हुए और उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए उम्मीदवारों के मामलों में अधिकतम तीन वर्ष,
- (14) सीमा सुरक्षा दल के अनुसूचित जाति/अनुसूचित आदिम जाति से सम्बन्ध रखने वाले कार्मिकों के लिए भारत-पाकिस्तान संघर्ष 1971 के दौरान अशक्त हुए और उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए उम्मीदवारों के मामलों में अधिकतम 8 वर्ष तक।
- (घ) उक्त ऊपरी आयु सीमा में उन व्यक्तियों के मामले में 35 वर्ष आयु तक की छूट दी जाएगी जो भारत सरकार के विभिन्न विभागों तथा निर्वाचन आयोग के कार्यालय में लिपिकों के पदों पर नियुक्त रूप से नियुक्त हैं और 1 जनवरी 1975 को जिन्होंने लिपिकों के रूप में कम से कम 3 वर्ष की निरन्तर सेवा की है और उसी रूप में कार्य करते जा रहे हैं।
- परन्तु यह भी पार्ट है कि उक्त आयु की छूट उन व्यक्तियों को नहीं दी जाएगी जो मन्त्रालय/विभागों और सम्बद्ध कार्यालयों में (1) केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा (2) भारतीय विदेश सेवा (3), (3) रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा और (4) सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा में लिपिकों के रूप में कार्य कर रहे हैं तथा उन व्यक्तियों को जो भूतपूर्व सैनिक हैं और भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित रिक्तियों के लिए परीक्षा में भी प्रतियोगिता कर रहे हैं।
- (इ) उक्त ऊपरी आयु-सीमा में उन व्यक्तियों के मामले में 35 वर्ष की आयु तक छूट दी जाएगी जो भारत सरकार के विभिन्न मन्त्रालयों/विभागों और सम्बद्ध कार्यालयों में केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा में हिन्दी लिपिक/हिन्दी टंकक के पदों पर नियुक्त हैं और 1 जनवरी, 1975 को जिन्होंने हिन्दी लिपिकों/हिन्दी टंककों के रूप में कम से कम 3 वर्ष की निरन्तर सेवा की है और उसी रूप में कार्य करते जा रहे हैं।
- परन्तु शर्त यह है कि उक्त आयु की छूट के अन्तर्गत परीक्षा में प्रविष्ट हिन्दी लिपिक/हिन्दी टंकक केवल केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा में रिक्त स्थानों के लिए प्रतियोगिता के पात्र होंगे।
- (ज) ऊपरी आयु सीमा में उन सैनिक लिपिकों के मामलों में 45 वर्ष की आयु तक की छूट दी जाएगी जिन्होंने गत वर्ष में सशस्त्र सेना में अपनी हाजिर सेवा की है अर्थात् उन सभी को जो सेना से 2 जनवरी 1975 से 1 जनवरी, 1976 की अवधि में निवृत्त होने वाले हैं।
- परन्तु शर्त है कि उक्त आयु की छूट के अन्तर्गत परीक्षा में प्रविष्ट उम्मीदवार केवल सशस्त्र सेना मुख्यालय तथा अन्तरसेवा संगठनों में रिक्त स्थानों के लिए हो, जो भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित नहीं हैं, प्रतियोगिता के पात्र होंगे।

टिप्पणी (1) डाक व तार विभाग के अधीनस्थ कार्यालयों में नियुक्त रेल-डाक छंटाईकारों की सेवा उपर्युक्त नियम 6 (घ) के प्रयोजन के लिए लिपिक के ग्रेड में की गई सेवा मानी जायेगी।

टिप्पणी (2) यदि किसी उम्मीदवार को उपर्युक्त नियम 6 (घ) और नियम 6 (ङ) में उल्लिखित आयु सम्बन्धी रियायतों के अन्तर्गत परीक्षा में बैठने दिया गया हो और यदि आवेदन पत्र देने के बाद, परीक्षा में बैठने से पहले या बाद में, नौकरी में त्यागपत्र देना या उसके विभाग द्वारा उसकी भेवाएं समाप्त कर दी जाएं, तो उसकी उम्मीदवारी रद्द की जा सकती है। लेकिन यदि आवेदन पत्र प्रस्तुत करने के बाद सेवा या पद से उसकी छंटनी हो जाए तो वह पाल बना रहेगा।

टिप्पणी (3) किसी लिपिक को जो मध्यम प्राधिकारी के अनुमोदन से किसी निःसंवर्ग पद (एक्स-केडर पार्स्ट) पर प्रतिनियुक्त हो, अन्य सब प्रकार से पाल होने पर परीक्षा में बैठने दिया जायेगा।

ऊपर बताई गई स्थितियों के अलावा ऊपर विहित आयु-सीमाओं में किसी हालत में छूट नहीं दी जा सकेगी।

7. यह आवश्यक है कि उम्मीदवारों ने नीचे लिखी परीक्षाओं में से कोई एक पास की हो या उनके पास निम्न-लिखित में से एक प्रमाण पत्र होः—

- (1) भारत के केन्द्रीय अधिकारी राज्य विधान मण्डल के किसी अधिनियम द्वारा नियमित किसी विश्वविद्यालय की मैट्रिक परीक्षा;
- (2) किसी गज्य के शिक्षा बोर्ड द्वारा माध्यमिक स्कूल कोर्स के अन्त में शालान्त (स्कूल लीविंग) माध्यमिक स्कूल, हाई स्कूल या ऐसे किसी और प्रमाणपत्र के दिये जाने के लिये, जिसे वह राज्य सरकार नौकरी में प्रवेश के लिये मैट्रिक के प्रमाणपत्र के समकक्ष मानती हो, ली गई कोई परीक्षा;
- (3) कैम्ब्रिज स्कूल प्रमाणपत्र परीक्षा (सीनियर कैम्ब्रिज);
- (4) राज्य सरकारों द्वारा ली गई यूरोपीय हाई स्कूल परीक्षा;
- (5) दिल्ली पोलीटेक्निक के तकनीकी हायर सेकेंडरी स्कूल की दसवीं कक्षा का प्रमाणपत्र;
- (6) भारत में किसी मान्यताप्राप्त हायर सेकेंडरी स्कूल/मल्टीपरसन स्कूल द्वाग द्वायर सेकेंडरी पाठ्यक्रम/मल्टीपरसन पाठ्यक्रम (जो उपानितम वर्ष में ली गई परीक्षा) में उत्तीर्ण;

- (7) किसी मान्यता प्राप्त हायर सेकेंडरी स्कूल इंडियन स्कूल सार्टिफिकेट परीक्षा के लिए छात्रों को तैयार करने वाली किसी मान्यता प्राप्त स्कूल की दसवीं कक्षा का प्रमाणपत्र;
- (8) अरविन्द अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र, पांडिचेरी के उच्चतर माध्यमिक शिक्षा पाठ्यक्रम की दसवीं कक्षा का प्रमाणपत्र;
- (9) जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली की जूनियर परीक्षा केवल जामिया के वास्तविक आवासी छात्रों के लिए;
- (10) बंगाल (सार्वस) स्कूल सार्टिफिकेट;
- (11) नेशनल काउन्सिल आफ एजूकेशन (राष्ट्रीय शिक्षा परिषद) जावधपुर, पश्चिमी बंगाल की (शुरू से लेकर फाइनल स्कूल स्टैन्डर्ड परीक्षा);
- (12) गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद की विनीत परीक्षा;
- (13) पांडिचेरी की नीचे लिखी फॉन्च परीक्षाएः—
  - (1) ब्रोवे एलिमेनट्रीएर;
  - (2) ब्रोवे वेसंसोमा प्रीमियर दे लांग इंडियेन,
  - (3) ब्रोवे दे एत्यूद ट्यू प्रीमिये सिक्ल,
  - (4) ब्रोवे दे एंसीमा प्रीमियर मुषीरियेर दे लांग इठियेन, और
  - (5) ब्रोवे दे लांग इंडियेन (वर्नाक्युलर);
- (14) गोवा, दमन और दीव की पुर्नगाली परीक्षा लाइसिसूत के पांचवें वर्ष में पास;
- (15) इंडियन आर्मी स्पेशल सार्टिफिकेट आफ एजूकेशन;
- (16) भारतीय नौसेना का हायर एजूकेशन टैस्ट;
- (17) एडवांस क्लास (भारतीय नौसेना) परीक्षा;
- (18) सीलोन सीनियर स्कूल सार्टिफिकेट परीक्षा;
- (19) ईस्ट बंगाल सैकेंडरी एजूकेशन बोर्ड, ढाका द्वारा दिया गया प्रमाणपत्र;
- (20) बंगलादेश (भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान) स्थित कोनीला/राजशाही/खुलना/जैसोर के बोर्ड आफ सैकेंडरी एजूकेशन द्वारा दिये गए सैकेंडरी स्कूल के प्रमाण पत्र;
- (21) नेपाल सरकार की स्कूल लीविंग सार्टिफिकेट परीक्षा;
- (22) एंग्लोवनक्युलर स्कूल लीविंग सार्टिफिकेट (बर्मा);
- (23) बर्मा हाई स्कूल फाइनल एंग्लोमिनेशन सार्टिफिकेट;
- (24) बर्मा हाई स्कूल फाइनल एंग्लोवनक्युलर स्कूल परीक्षा (युद्धपूर्व);
- (25) बर्मा का पोस्टवार स्कूल लीविंग सार्टिफिकेट;
- (26) सामान्य स्तर पर श्रीलंका की सार्टिफिकेट आफ एजूकेशन नाम परीक्षा यदि वह अंग्रेजी तथा गणित और सिहली या तमिल सहित पांच विषयों में पास की गई हो;
- (27) सामान्य स्तर पर लंदन के एसोसिएटेड एंग्लोमिनेशन बोर्डस का जनरल सार्टिफिकेट आफ एजूकेशन

- परीक्षा, यदि वह अंग्रेजी सहित पांच विषयों में पास की गई हो;
- (28) किसी राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड द्वारा ली गई जूनियर बोर्ड मैकेन्जरी तकनीकी स्कूल परीक्षा;
- (29) वाराणसी संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी की पूर्व मध्यमा (अंग्रेजी सहित) या पुरानी ब्रंड मध्यमा (प्रथम दो वर्ष का पाठ्यक्रम) तथा उम विद्यालय के विषयों में से एक विषय अंग्रेजी सहित, अंग्रेजी सहित अतिरिक्त विषयों में, विशिष्ट परीक्षा;
- (30) गोवा, इमन तथा दीव की स्वतन्त्रता से पूर्व पुर्तगाली स्थापना के अन्तर्गत इस्कोला इन्डस्ट्रीयल, कार्मिंशियल दी गोवा, पणजी द्वारा दिया गया। कार्ता दी, फौर्मिक दी सैरइंहेरी (सिमथी पाठ्यक्रम का प्रमाण-पत्र) तथा कार्ला दी कुर्सी दी मोन्तावर इलेक्ट्रोमिटा (इलेक्ट्रो-मिथन) पाठ्यक्रम का प्रमाणपत्र;
- (31) गण्डीय भारतीय मिलिनी कालेज डिप्लोमा परीक्षा;
- (32) गण्डीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा संचालित "मध्यमा" परीक्षा;
- (33) कारपोरल के रैक में पदोन्नति के लिए शिक्षा निदेशालय, वायुसेना मुख्यालय, नई दिल्ली द्वारा ली जाने वाली भारतीय वायुसेना शैक्षिक परीक्षा;
- (34) दिल्ली विश्वविद्यालय के 1965 में उत्तीर्ण की गई विज्ञान की अर्हक परीक्षा;
- (35) शिक्षा मंत्रालय, मलेशिया के सहयोग से कैम्ब्रिज स्थानीय परीक्षा स्लिडीकेट विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित मलेशियन सर्टिफिकेट आफ एजुकेशन परीक्षा;
- (36) पंजाब विश्वविद्यालय की उच्चतर माध्यमिक (कोर विषय) परीक्षा;
- (37) बाल प्रणिक्षण संस्थान, विणाखापननम द्वारा संचालित (भारतीय नौसेना) परीक्षा में पास;
- (38) एंग्लो इंडियन स्कूल मद्रास के निरीक्षा द्वारा जारी किया गया एंग्लो इंडियन हाई-स्कूल परीक्षा (स्टैंडर्ड XI) का प्रमाण-पत्र; और
- (39) इंडियन स्कूल सर्टीफिकेट परीक्षा परिषद द्वारा ली गई इंडियन सर्टीफिकेट आफ सेकेन्डरी एजूकेशन परीक्षा (क्लास-X परीक्षा) धर्शते कि वह पांच विषयों में पास की गई हो जिनमें गणित विज्ञान तथा कम से कम दो भाषाएं मिश्मिलित होनी चाहिये। पांचवाँ विषय ग्रुप-I (भारतीय इतिहास तथा संस्कृति नागरिक शास्त्र तथा भूगोल) के शेष विषयों में से कोई अथवा ग्रुप-II (कला, लकड़ी का कार्य या टैक्नीकल ड्राइंग के साथ धातु कार्य, गृह विज्ञान के मूल तत्व, कार्यालय अन्यास के साथ धातु कार्य, गृह विज्ञान के मूल तत्व, कार्यालय अन्यास के साथ टाइप राइटिंग तथा आशुलिपि और लेखा मूलतत्व में से कोई एक विषय हो सकता है।

- (40) तंजानिया सरकार की परीक्षा परिषद द्वारा ली गई नेशनल फार्म IV परीक्षा।

टिप्पणी 1. यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा, जिसमें उत्तीर्ण होने पर वह इस परीक्षा में बैठ सकता है, वे चुका हो, लेकिन उसके परिणाम की मूल्यना उसे नहीं मिली हो ऐसी स्थिति में वह इस परीक्षा में बैठने के लिए आवेदन पत्र भेज सकता है। जो उम्मीदवार उसके अन्तर्गत (वालिफाइंग) परीक्षा में बैठना चाहते हों, वे भी आवेदन-पत्र देसकते हैं वर्षते कि अर्हक परीक्षा इस परीक्षा के शुरू होने से पहले समाप्त हो जाए। ऐसे उम्मीदवारों को, यदि वे अन्य शर्तें पूरी करते हों, परीक्षा में बैठने दिया जाएगा, किन्तु परीक्षा में बैठने की अनुमति अन्तिम होगी और वे उक्त परीक्षा पास करने का प्रमाण जल्दी से जल्दी, और हर हालत में इस परीक्षा के गुरु होने की तारीख में अधिक से अधिक दो महीने के अन्दर-अन्दर प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रद्द कर दी जा सकेगी।

टिप्पणी 2. कुछ विशिष्ट मामलों में, किसी ऐसे उम्मीदवार को जिस के पास उक्त नियमों के अनुसार कोई उपाधि नहीं है, केन्द्रीय सरकार अर्हता-प्राप्त उम्मीदवार भान सकती है वर्षते कि वह उस स्तर तक अर्हता प्राप्त है जो उस सरकार की राय में परीक्षा में प्रवेश करने के लिए यथोचित है।

8. (1) जिस व्यक्ति ने

(क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबन्ध किया है, जिसका पति/पत्नी पहले से है,

(ख) जिसने जीवित पति या पत्नी के होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबन्ध किया है तो,

सेवा में नियुक्ति के लिए तब तक पात्र नहीं माना जाएगा जब तक कि केन्द्रीय सरकार संतुष्ट न हो जाए कि ऐसे व्यक्ति तथा विवाह संबंध अन्य पक्ष के पक्षस्त व्यक्ति कानून के अनुसार ऐसा विवाह स्वीकृत है तथा ऐसा करने के अन्य कारण हैं और उसको इस नियम से छूट न दें।

(2) जिस व्यक्ति ने विदेशी राष्ट्रिक से विवाह किया है, भारतीय विदेश सेवा (ख) ग्रेड-6 की नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जाएगा।

(3) जिस व्यक्ति के तीन से अधिक बच्चे हैं वह भारतीय विदेश सेवा (ख) ग्रेड-6 की नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जाएगा।

9. जो उम्मीदवार स्थायी या अस्थायी हैसियत से पहले सरकारी सेवा कर रहा हो, उसे इस परीक्षा में बैठने से पहले अपने विभाग अध्यक्ष की अनुमति अवश्य ले लेनी चाहिए।

10. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो संबंधित सेवा/पद के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलतापूर्वक निभाने में वाधक हो। यदि सक्षम प्रोधिकारी द्वारा विहित डाक्टरी परीक्षा के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में यह ज्ञात हुआ कि वह इन अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर सका है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी। केवल उन्हें उम्मीदवारों की डाक्टरी परीक्षा की जाएगी जिन पर नियुक्ति के विचार किए जाने की सम्भावना होगी।

**टिप्पणी—**अणकत भूतपूर्व रक्षा कार्मिकों के मामले में रक्षा मेवा के सम विधिन डाक्टरी बोर्ड (डीमोबीलाइजेशन मेडिकल बोर्ड) द्वारा दिया गया स्वास्थ्यता प्रमाण-पत्र नियुक्ति के प्रयोजन के लिए पर्याप्त समझ जाएगा।

11. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में संस्थान का निर्णय अन्तिम होगा।

12. किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जायगा जब तक उसके पास संस्थान का प्रवेश-पत्र (सार्टिफिकेट ऑफ एडमीशन) न हो।

13. सशस्त्र सेना से निवृत्त भूतपूर्व सैनिक तथा जिन्हें संस्थान के नोटिस के पैरा 8 (iv) के अन्तर्गत शुल्क की छूट दी गई है, को छोड़कर सभी उम्मीदवारों को संस्थान के नोटिस के पैरा 8 (1) में विहित फीस देनी होगी।

14. यदि उम्मीदवार ने अपनी उम्मीदवारी के लिए किसी प्रकार की सहायता प्राप्त करने का यत्न किया तो उसे परीक्षा में अन्योग घोषित कर दिया जायेगा।

15. यदि कोई उम्मीदवार संस्थान द्वारा इस बात के लिए द्वोषी घोषित किया जाए या किया गया कि उसने दूसरे व्यक्ति से अपनी परीक्षा दिलवाई है या जाली प्रलेख अथवा ऐसे प्रलेख प्रस्तुत किये हैं जिनमें हेराफेरी की गई है या गलत या झूठे बक्सेव्ह दिए हैं या कोई महत्वपूर्ण बात छिपाई है या परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी और अनियमित या अनुप्रयुक्त तरीके से काम लिया है अथवा परीक्षा भवन में अनुचित तरीकों का प्रयोग किया है या प्रयोग करने की कोशिश की है या परीक्षा भवन में या इसके अहाते में कोई दुर्ब्यवहार किया है या संस्थान द्वारा अथवा सुपरवाईजर/पर्यवेक्षक द्वारा जारी किए गए आदेशों का पालन न करता हो, तो अपरोक्षिक अभियोग (फिनिल प्रोसीक्यूशन) चलाए जाने के अतिरिक्त उसे :

(क) स्थायी रूप से अथवा किसी निश्चित अवधि के लिए

(1) संस्थान उम्मीदवारों से चुनाव के लिए अपने द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा या इंटरव्यू में शामिल होने में रोक सकता है, और

(2) केन्द्रीय सरकार अपने अधीन नियुक्ति किए जाने से वर्जित कर सकती है।

(ख) यदि वह पहले से ही सरकारी सेवा में हुआ तो उसके खिलाफ उपयुक्त नियमों के अन्तर्गत अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

16. परीक्षा के पश्चात टंकण परीक्षा में पास होने वालों को अन्तिम रूप से प्रत्येक उम्मीदवार को निश्चित परीक्षा में दिए गए कुल श्रंकों के आधार पर संस्थान उम्मीदवार की गणानुक्रम में भूमी बनाएगा और उसी क्रम से परीक्षा परिणामों के आधार पर भरे जाने के लिए निश्चित आरक्षित स्थित स्थानों की संख्या के अनुसार जितने उम्मीदवारों को परीक्षा के द्वारा अर्हता प्राप्त देखा जाएगा, उनकी नियुक्ति के लिए सिफारिश करेगा।

लेकिन यह भी शर्त है कि अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए निर्धारित आरक्षित रिक्तियों की संख्या न भरी गई तो सचिवालय प्रणिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान द्वारा निर्धारित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों के सदस्यों के लिए आरक्षित स्थानों पर नियुक्ति की जाने के लिये परीक्षा में उसके योग्यता क्रम के स्थान पर ध्यान दिए बिना ही, उनकी सिफारिश कर दी जायेगी।

आगे यह भी शर्त है कि भूतपूर्व सैनिकों के अनुसूचित जाति/अनुसूचित आदिम जाति के उम्मीदवारों के लिए निर्धारित आरक्षित रिक्तियों की संख्या न भरी गई तो उन अनुसूचित जाति/अनुसूचित आदिम जाति के भूतपूर्व सैनिकों को जिन्हे सचिवालय प्रणिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान की शर्तों के अनुसार नियुक्ति के लिए उपयुक्त घोषित किया गया तो उस सेवा पद पर नियुक्ति की जाने के लिए परीक्षा में उसके योग्यता क्रम के स्थान पर ध्यान दिए बिना ही उनकी सिफारिश कर दी जायेगी।

17. परीक्षा-परिणाम के आधार पर नियुक्ति करते समय आवेदन-पत्र भरते समय विभिन्न सेवाओं/पदों के लिए बताई गई प्राथमिकताओं का (आवेदन पत्र के कालम 14 का) समुचित ध्यान रखा जाएगा।

18. हर एक उम्मीदवार को परीक्षा-फल की सूचना किस रूप में तथा किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय संस्थान अपने विवेकानुसार करेगा और संस्थान परिणामों के सम्बन्ध में उनसे कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

19. आवश्यक जांच के बाद जब तक सरकार संतुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार इस सेवा/पद पर नियुक्ति के लिए हर प्रकार से उपयुक्त है, तब तक परीक्षा में पास हो जाने मात्र से नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता।

20. उन सेवाओं/पदों से सम्बन्धित सब की शर्तों, जिनके लिये इस परीक्षा द्वारा भर्ती की जा रही है, संक्षेप में परिणिष्ठ 2 में दी गई है।

**परिशिष्ट—1**

1. परीक्षा निम्न योजना के अनुसार होगी :—

भाग 1—निखित परीक्षा :—निखित परीक्षा के विषय परीक्षा के लिए दिया गया समय और प्रत्येक विषय के पूर्णांक इस प्रकार होंगे :—

पत्र विषय	पूर्णांक	दिया गया समय
संख्या		
1. सामान्य अंग्रेजी तथा लघु निबन्ध		
(क) लघु निबन्ध 100	3 घन्टे	
(ख) सामान्य अंग्रेजी 100		
सामान्य ज्ञान		
2. भारत के भूगोल सहित सामान्य ज्ञान 100	2 घन्टे	

भाग 2—टंकण परीक्षा : संस्थान के विवेकानुसार लिखित परीक्षा में निर्धारित कम से कम स्तर करने वाले उम्मीदवार ही टंकण परीक्षा के पात्र होंगे।

टंकण परीक्षा के निम्न दो प्रश्न पत्र होंगे :—

पत्र विषय	दिया गया समय
संख्या	
1 रनिंग मैटर सीधा विषय	10 मिनट
2. टेबलर स्टेटमेंट सारिणी	10 मिनट

परीक्षा के नियमों के नियम 16 के अनुसार केवल वे ही उम्मीदवार नियूक्त के लिए सिफारिश के पात्र होंगे जो अंग्रेजी में कम से कम 30 शब्द प्रति मिनट की गति से अथवा हिन्दी में कम से कम 25 शब्द प्रति मिनट की गति से टंकण परीक्षा पास करेंगे।

टिप्पणी (i) : जिन उम्मीदवारों ने संघ लोक में आयोग अथवा सचिवालय प्रशिक्षणगाला या सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान द्वारा आयोजित टंकण परीक्षा अंग्रेजी में 30 शब्द प्रति मिनट की गति से अथवा हिन्दी में 25 शब्द प्रति मिनट की गति से पहले ही पास कर ली हो उन्हें इस परीक्षा में बैठने की आवश्यकता नहीं है। ऐसे उम्मीदवारों को पास की गई टंकण परीक्षा में अपना रोल नम्बर तथा परीक्षा की तारीख दें।

टिप्पणी (ii) : परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन पत्र के साथ जो उम्मीदवार समक्ष चिकित्सा प्राधिकारी, अर्थात् सिविल सर्जन, से लेकर यह प्रमाण पत्र

प्रस्तुत करे कि शारीरिक अयोग्यता के कारण वह सदा के लिए टंकणपरीक्षा परीक्षा पास करने के अयोग्य है, तो केन्द्रीय मरकार के मन्त्रीमंडल सचिवालय में कार्यक्रम और प्रशासनिक सुधार विभाग के पूर्व अनुमोदन से उसे इस परीक्षा के देने और पास करने से छूट मिल सकती है।

टिप्पणी (iii) : उम्मीदवारों को टंकण परीक्षा के लिए अपनी ही टाईप मशीन लानी होगी। स्टेनडर्ड साईज के रोलर बाली टाईप मशीन परीक्षा के दोनों ही प्रश्न पत्रों में काम दे सकेगी।

2. परीक्षा का पाठ्यक्रम इस परिशिष्ट की अनुसूची में दिये अनुसार होगा।

3. उम्मीदवारों को छूट होगी कि वे प्रश्नपत्र की मद (क) या प्रश्न पत्र 2 या दोनों के उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी (देवनागरी लिपि में) किसी में करें।

प्रश्न पत्र 1 के मद (ख) के उत्तर अंग्रेजी में ही लिखे जाने चाहिए।

उम्मीदवारों को छूट होगी कि वे टंकण परीक्षा अंग्रेजी में दे अथवा हिन्दी (देव नागरी) लिपि में।

टिप्पणी 1: प्रश्न पत्र 2 में छूट पूरे प्रश्न पत्र के लिए होगी, इसी प्रश्न पत्र के अलग-अलग प्रश्नों के लिए नहीं।

टिप्पणी 2: उपर्युक्त लिखित परीक्षा/टंकण परीक्षा के प्रश्न पत्रों का उत्तर हिन्दी (देवनागरी लिपि) में देने के इच्छुक उम्मीदवारों को अपना द्वारा आवेदन पत्र के कालम 8 तथा 9 में स्पष्टतः लिख देना चाहिए अर्थात् यह समझा जाएगा कि वे प्रश्नपत्रों का उत्तर-टंकण परीक्षा अंग्रेजी में देंगे।

टिप्पणी 3: एक बार प्रयोग किया विकल्प अन्तिम होगा और हमके परिवर्तन के लिए कोई अनुरोध साधारणतः स्वीकार नहीं होगा।

टिप्पणी 4: उम्मीदवारों को सभी उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी भी हालत में उत्तर लिखने के लिए अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

5. संस्थान अपने विवेकानुसार परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों में अहंक (क्वालीफाइंग) अंक निर्धारित कर सकते हैं।

6. केवल सतहीं ज्ञान के लिए कोई अंक नहीं दिया जायेगे।

7. अस्पष्ट लिखावट के कारण पूर्णांकों के 5 प्रतिशत तक अंक काट लिए जायेंगे।

8. परीक्षा के सभी विषयों में आवश्यकतानुसार कम से कम शब्दों में, कमबढ़ तथा प्रभावपूर्ण ढंग से और ठीक ठीक की गई अभिव्यक्ति को श्रेय दिया जायेगा।

### अनुसूची

#### परीक्षा का पाठ्यक्रम

सामान्य अंग्रेजी तथा लघु निबन्ध

(क) लघु निबन्ध—उल्लिखित कई विषयों में से किसी एक पर निबन्ध लिखना होगा।

(ख) सामान्य अंग्रेजी—निम्नलिखित में उम्मीदवारों की परीक्षा ली जायेगी :

(1) मसौदा लेखन

(2) सार लेखन

(3) प्रयुक्त व्याकरण तथा

(4) प्रारम्भिक सारणीकरण (आंकड़ों को संकलित करते तथा सारणी में उन्हें व्यवस्थित और प्रस्तुत करने की कला में उम्मीदवारों की सामर्थ जांचने के लिए)।

भारत के भूगोल समेत सामान्य ज्ञान

सामयिक घटनाओं और प्रतिदिन दृष्टिगोचर होने वाले ऐसे विषयों की जानकारी तथा उनके वैज्ञानिक पश्चों का अनुभव जिनको किसी ऐसे शिक्षित व्यक्ति से, जिसने कि किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष अध्ययन न किया हो, आशा की जा सकती है। इस पक्ष में भारत के भूगोल से सम्बन्धित प्रश्न भी भिन्नभिन्न होंगे।

#### परिशिष्ट—II

उन सेवाओं/पदों से सम्बन्धित संक्षिप्त विवरण जिनके लिए इस परीक्षा द्वारा भर्ती की जा रही है।

(क) केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा

केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा के निम्नलिखित दो ग्रेड हैं

(1) उच्च श्रेणी ग्रेड स० 330-10-380-द० रो०-12-500-द० रो०-15-560 रु० ।

(2) निम्न श्रेणी ग्रेड रु० 260-6-290-द० रो०-6-326-8-366-द० रो०-8-390-10-400 ।

2. निम्न श्रेणी ग्रेड में नियुक्त व्यक्ति दो वर्ष तक परिवीक्षाधीन रहेंगे। इस अवधि के दौरान वे सरकार द्वारा यथानिर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे और विभागीय परीक्षाएं देंगे प्रशिक्षण के दौरान पर्याप्त प्रगति न दिखाने पर या परीक्षा पास न कर सकते पर परिवीक्षाधीन व्यक्ति नौकरी से हटाया जा सकता है।

3. परिवीक्षा की अवधि पूरी होने पर सरकार परिवीक्षाधीन लिपिक की पुष्टि कर सकती है या, यदि उसका कार्य या आचरण सरकार की राय में असन्तोषजनक रहा हो, तो उसे सेवा से निकाला जा सकता है या सरकार उसकी परिवीक्षा की अवधि जितनी बढ़ाना उचित ममझे, बढ़ा सकती है।

4. निम्न श्रेणी ग्रेड में भर्ती किए गए, व्यक्तियों को केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा योजना में भाग लेने वाले मंत्रालयों या कार्यालयों में से किसी एक में नियुक्त कर दिया जायेगा। उनकी किसी भी समय किसी भी ऐसे अन्य मंत्रालय में या कार्यालय में

बदली हो सकती है जो केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा योजना में भाग ले रहे हों।

5. निम्न श्रेणी ग्रेड में भर्ती किए गए व्यक्ति इस संबंध में समय-समय पर नागू नियमों के अनुसार उच्च श्रेणी ग्रेड में पदोन्नत किए गए अस्थायी निम्न श्रेणी लिपिक, जो सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में यथानिर्दिष्ट नियायिक तारीख को 5 वर्ष की अनुभोदित या निरन्तर सेवा अवधि पूरी कर चुके हों, वे उच्च श्रेणी लिपिक की सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे।

6. अवर श्रेणी ग्रेड में भर्ती किये गये व्यक्ति इस संबंध में सरकार द्वारा निर्धारित तारीख को कम से कम तीन वर्ष अनुभोदित तथा निरन्तर सेवा करने के आद ट्रैड 3 के आशुलिपकों की परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे। इस परीक्षा के लिए अधिकतम आयु सीमा नियायिक तारीख को 35 वर्ष होनी चाहिए।

7. जिन लोगों की नियुक्ति केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा के निम्न श्रेणी ग्रेड में उनकी अपनी इच्छा के अनुसार की जायेगी, वे उस नियुक्ति के पश्चात् भारतीय विदेश सेवा (ख) के कार्ड में अपवा रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा योजना में आदिन किसी पद पर स्थानान्तर या नियुक्ति का दावा नहीं कर सकेंगे।

(ख) रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा

रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा रेल मंत्रालय में नियुक्त अवर श्रेणी लिपिकों की सेवा की शर्तें जैसे नियुक्ति, प्रशिक्षण, पदोन्नति, आदि रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा नियम, 1970 जो समय-समय पर संरोधित केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा नियम, 1962, के आधार पर बने हैं, संचालित होती है।

2. रेलवे बोर्ड लिपिक सेवा की निम्नलिखित दो श्रेणियां हैं :—

(1) उच्च श्रेणी लिपिक—रु० 330-10-380-द० रो०-12-500-द० रो०-15-560।

(2) अवर श्रेणी लिपिक—रु० 260-6-290-द० रो०-6-326-8-366-द० रो०-8-390-10-400।

3. सीधी भर्ती केवल अवर श्रेणी लिपिकों के ग्रेड में ही की जाती है। अवर श्रेणी ग्रेड में भर्ती हुए व्यक्ति दो भाल परिवीक्षाधीन रहेंगे और इस अवधि में उन्हें वैसे प्रशिक्षण प्राप्त करने होंगे और वैसी विभागीय परीक्षाओं में उत्तीर्ण होना होगा जो सरकार द्वारा निर्धारित किये जायेंगे। प्रशिक्षण के दौरान पर्याप्त प्रगति न मिलने पर अथवा परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने पर उन्हें सेवा से हटाया जा सकता है।

4. उच्च श्रेणी लिपिकों के पद निम्नलिखित कर्मचारियों में से वरावर संख्या में पदोन्नति/नियुक्ति द्वारा भरे जायेंगे —

(क) वरीयता के अनुसार अवर श्रेणी ग्रेड के स्थायी कर्मचारी जिनकी मान्य सेवा आठ साल से कम की न हो, बरतने कि आधोंगों की अस्थीकृत कर दिया गया हो,

(ख) सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, जो समय समय पर इसी उद्देश्य से ली जाती है, के परिणाम के आधार

पर चुने गए वरीयता के अनुसार अवर श्रेणी ग्रेड के लिपिक ।

जब तक कि (ख) में उल्लिखित प्रथम सीमित प्रतियोगिता परीक्षा का परिणाम घोषित नहीं किया जाता है, श्रेणी लिपिक ग्रेड की सभी ग्रिक्तियाँ उपर्युक्त (क) के आधार पर भरी जाएंगी ।

5. रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा के अवर श्रेणी ग्रेड अध्यवा उच्च श्रेणी लिपिक ग्रेड के मदस्य, जिनकी सान्य सेवा की अवधि भरकार द्वाग घोषित निश्चित तिथि पर तीन साल से कम न हो, और निरन्तर रहा हो वे शाशुलिपिक ग्रेड-3 सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा में बैठने के पात्र हैं । इस परीक्षा में बैठने की निश्चित तिथि पर उच्च आयु सीमा 35 वर्ष है ।

6. रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा रेल मंत्रालय तक सीमित है और कर्मचारी केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा की भाँति अन्य मंत्रालयों में स्थानान्तरित नहीं हो सकते हैं ।

7. रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा के सदस्य जो इन नियमों के अन्तर्गत भर्ती किए गए हैं—

(1) पेंशन के लाभों के हकदार हैं; और

(2) गैर अंशदायी राज्य रेलवे भविष्य निधि जो उस तारीख को इस सेवा में नियुक्त रेलवे कर्मचारियों के लिए लागू है, में अंशदान करेंगे ।

8. रेल मंत्रालय में नियुक्त कर्मचारी अन्य रेलवे कर्मचारियों की भाँति ही बराबर मात्रा में प्रिविलेज पास और प्रिविलेज टिकट आईरों के हृदकार होंगे ।

9. जहां तक छुट्टी तथा सेवा की अन्य शर्तों का सम्बन्ध है, रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा में शामिल कर्मचारियों को उसी प्रकार की मुक्तियाँ हैं जैसी कि अन्य रेल कर्मचारियों को, किन्तु चिकित्सा मुक्तियाँ उन्हें दूसरे केन्द्रीय सरकार के कर्मचारी, जिनका मुख्यालय नई दिल्ली है, के समान हैं ।

(ग) भारतीय विदेश सेवा (ख) ग्रेड-6

2. वेतनमान : रु 260-6-290-द० रो०-6-326-8-366-द० रो०-8-390-10-400 ।

यह वेतनमान तीसरे वेतन आयोग की सिफारियों के अनुसार संशोधनधीन है ।

2. भारतीय विदेश सेवा (ख) के ग्रेड-6 में नियुक्त अधिकारी विदेशों में नियुक्त किए जाने पर उन भनों और मुफ्त आवास के पात्र होंगे, जो समय-समय पर भारतीय विदेश सेवा (ख) के अधिकारियों के लिए स्वीकार्य होते ह ।

3. इस परीक्षा के परिणामों के आधार पर भारतीय विदेश सेवा (ख) में नियुक्त उम्मीदवारों को, मुख्यालय में अध्यवा भारत या विदेश में कहीं भी जहां वे नियन्त्रक प्राधिकरण द्वारा नियुक्त किए जाएं, सेवा करनी होगी ।

4. इस सेवा में नियुक्त, पुष्टीकरण तथा वरिष्ठता की शर्तें भारत सेवा (ख) भर्ती, संवर्गी, वरिष्ठता तथा पदोन्नति नियम 1964 तथा बाद में सरकार द्वारा बनाये गए किन्हीं अन्य

नियमों के संगत उपबन्धों या जारी किए आदेशों द्वारा शामिल होंगे ।

(घ) —मशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा

मशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा में निम्नलिखित ग्रेड हैं—  
उच्च श्रेणी ग्रेड—रु 330-10-380-द० रो०-12-500  
द० रो०-15-560 ।

दिम्न श्रेणी ग्रेड—रु 260-6-290-द० रो०-6-326-8-366-द० रो०-8-390-10-400 ।

तीसरे वेतन आयोग को सिफारियों के अनुसार इन वेतनमानों का संशोधन विचाराधीन है । उच्च श्रेणी लिपिक ग्रेड में पद निम्न श्रेणी लिपिकों में से पदोन्नति द्वारा भरे जाते हैं । सीधी भर्ती के लिए निम्न श्रेणी ग्रेड में ही की जाती है ।

2. निम्न श्रेणी ग्रेड में भर्ती किए गए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि तक परिवीक्षाधीन रहेंगे । यह अवधि सक्षम अधिकारी के विवेक पर बढ़ाइ जा सकती है । इस अवधि में असंतोषजनक सेवा रिकार्ड का परिणाम परिवीक्षाधीन की सेवा में मुक्त कर सकता है । परिवीक्षा की अवधि में उन्हें समय-समय पर यथा विहित प्रशिक्षण ऐना पड़ सकता है तथा परीक्षा भी पास करनी पड़ सकती है ।

3. निम्न श्रेणी लिपिक समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार पुष्टीकरण तथा पदोन्नति के पात्र होंगे ।

4. सशस्त्र सेवा मुख्यालय में भर्ती किए गए निम्न श्रेणी लिपिक आमतौर पर दिल्ली/नई दिल्ली स्थित सशस्त्र सेना मुख्यालय तथा अन्य सेवा संगठनों के किसी कार्यालय में नियुक्त किए जायेंगे । किन्तु लोक हिन में भारत में कहीं भी उनकी बदली की जा सकती है ।

5. छुट्टी, चिकित्सा महायता तथा सेवा की अन्य शर्तें वही हैं जो मशस्त्र सेना मुख्यालय तथा अन्य सेवा संगठनों में नियुक्त अन्य लिपिक वर्गीय कर्मचारियों पर लागू होती हैं ।

(इ) संसदीय मामलों का विभाग

इस विभाग में निम्न श्रेणी लिपिकों के पदों का वेतनमान—रु 260-6-290-द० रो०-6-326-8-366-द० रो०-8-390-10-400 है ।

प्रतियोगिता परीक्षा के माध्यम से चुनाव करके सेवा में नियुक्त उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन रखा जाएगा ।

(ग) भारत-तिव्वत सीमा पुलिस

भारत-तिव्वत सीमा पुलिस में निम्न श्रेणी लिपिक का वेतन मान-रूपये 260-6-290-द० रो०-6-326-8-366-द० रो०-8-390-10-400 ।

इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर पदों पर नियुक्त उम्मीदवार दो वर्ष तक परिवीक्षाधीन होंगे ।

**शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय**

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 28 अक्टूबर 1974

सं० एफ० 1-2/71-पी०आर०ग०न०/योजना-II—राज्य सभा द्वारा श्री जगजीत मिह आनन्द, मंसद सदस्य को 31 मार्च, 1976 तक के लिए केन्द्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड के सदस्य के रूप में कार्य करने के लिए निम्न नामजद किया गया है।

2. भारत सरकार द्वारा निम्नलिखित सदस्यों को केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय के सदस्यों के रूप में, उनमें से प्रत्येक के सामने दर्शायी गई अवधि के लिए नामजद किया गया है:—

- (i) डा० एम० एल० सहारे—18 नवम्बर, 1976 तक।
- (ii) आदरणीय बी० गन० पुध—27 नवम्बर, 1976 तक।
- (iii) प्रो० एम० बी० माधुर—31 मार्च, 1975 तक।

3. मद्रास विश्वविद्यालय के कुलपति, श्री एन० डी० सून्दररावडी-वेनु तथा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति, डा० एस० के० दत्ता को 31 मार्च, 1977 तक के लिए केन्द्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड में भारतीय विश्वविद्यालय संघ के प्रतिनिधियों के रूप में नामजद किया गया है।

4. भारतीय क्रौप अनुसंधान परिषद के सहायक महानिदेशक, (शिक्षा) डा० सी० प्रसाद को 31 मार्च, 1976 तक के लिए केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय बोर्ड में भारतीय क्रौप अनुसंधान परिषद के प्रतिनिधि के रूप में नामजद किया गया है।

के० के० खुल्लार, अवर मर्चिव

**सूचना और प्रसारण मंत्रालय**

नई दिल्ली-1, दिनांक 16 अक्टूबर 1974

**संकल्प**

सं० 5/3/74-एफ० पी० सी० (बी०)—फिल्म जांच समिति, 1951 की सिफारिशों के परिणामस्वरूप भारत सरकार ने 1960 में देश में फिल्म निर्माण में कला और शिल्प में वैज्ञानिक और योजनाबद्ध रूप से तकनीकी प्रशिक्षण देने के लिए सुविधाएँ प्रदान करने और इस प्रकार भारतीय फिल्मों के तकनीकी और सौन्दर्यात्मक स्तरों में सुधार करने में सहायता देने के प्रयोजन में पूना में भारतीय फिल्म संस्थान स्थापित किया था। इसका कार्यक्षेत्र टेलीविजन तक बढ़ने पर इस संस्थान का नाम बदल कर भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान रखा गया। इस संस्थान ने सूचना और प्रसारण मंत्रालय के एक अधीनस्थ कार्यालय के रूप में कार्य किया।

2. नवम्बर, 1971 में सरकार ने भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान, पूना के कार्यकरण की जांच करने के लिए एक समिति नियुक्त की। इस समिति ने संस्थान की विभिन्न गतिविधियों की व्यापक भर्तीका का कार्य हाथ में लिया और संस्थान में शिक्षण, अनुसंधान और प्रशासन सम्बन्धी कार्य में

सुधार करने के प्रयोजन के अनेक सिफारिशों की। समिति ने अन्य बातों के साथ-साथ, यह सिफारिश भी की कि संस्थान को अधिक मात्रा में प्रणालीनिक सहायता प्रदान की जानी चाहिए ताकि वह अपने उद्देश्यों को प्राप्त कर सके।

3. इस सिफारिश के अनुसार में भारत सरकार ने भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान, पूना को 1 अक्टूबर, 1974 से सोसाइटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट (21), 1860 के अधीन एक स्वायत शासी सोसाइटी के रूप में परिवर्तित कर दिया है।

4. नए संस्थान के उद्देश्य निम्नलिखित हैं:—

- (1) भूतपूर्व भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान का प्रशासन और प्रबंध अपने हाथ में लेना और चलाना;
- (2) भारत में फिल्म सम्बन्धी शिक्षा में उच्च स्तर स्थापित करने के लिए स्नातक पूर्व तथा स्नातकोत्तर दोनों स्तरों पर टेलीविजन संस्थान के फिल्म कला की सभी शाखाओं में शिक्षण के उपयुक्त तरीकों को विकसित करना;
- (3) भारतीय फिल्मों के तकनीकी स्तरों को उठाने के लिए सतत प्रयत्न करना ताकि उनको सौन्दर्य की दृष्टि से और अधिक सन्तोषजनक तथा ग्राह्य बनाया जा सके।
- (4) सिनेमा तथा टेलीविजन के क्षेत्र में नए विचारों तथा नई प्रविधियों को विकसित करना तथा इन विचारों से युक्त तथा इन प्रविधियों में प्रशिक्षित व्यवित्तयों को तैयार करना;
- (5) भारत में फिल्म उद्योग तथा टेलीविजन संगठनों दोनों की बहती हुई आवश्यकताओं के लिए प्रशिक्षित व्यक्तियों को तैयार करना; तथा
- (6) फिल्म माध्यम की केवल मनोरंजन के माध्यम के रूप में ही नहीं अपितु शिक्षा और कलात्मक अभियान्कर्ता के माध्यम के रूप में भी क्षमताओं के प्रति भावी फिल्म निर्माताओं में नई जागृति उत्पन्न करना।

5. सरकारी तथा गैर-सरकारी दोनों प्रकार के सदस्यों से युक्त सोसाइटी ने 1 अक्टूबर, 1974 से संस्थान को संभाल लिया है।

**आदेश**

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति भारत सरकार के सभी मंत्रालयों एवं विभागों तथा भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान, पूना को भेज दी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को सावधानिक सूचनार्थ भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

एस० एम० मुर्शिद, निदेशक

CABINET SECRETARIAT  
(DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINISTRATIVE REFORMS)  
RULES

New Delhi, the 23rd November 1974

No. 10/20/74-CS(H).—The rules for a competitive examination to be held by the Institute of Secretarial Training & Management, Department of Personnel & Administrative Reforms in the Cabinet Secretariat, in 1975 for the purpose of filling temporary vacancies in the following Services/posts are published for general information :—

- (i) Indian Foreign Service (B)-Grade VI;
- (ii) Railway Board Secretariat Clerical Service-Grade II;
- (iii) Central Secretariat Clerical Service-Lower Division Grade;
- (iv) Armed Forces Headquarters Clerical Service-Lower Division Grade;
- (v) Posts of Lower Division Clerk in the Department of Parliamentary Affairs, New Delhi;
- (vi) Posts of Lower Division Clerk in the office of the Special Inspector General, Indo-Tibetan Border Police, Delhi; and
- (vii) Posts of Lower Division Clerk in other Departments and Attached Offices of the Government of India not mentioned above.

A candidate may apply for admission to the Examination in respect of any one or more of the Services/posts mentioned above. He may, if he so desires, also be considered for inclusion in the Reserve List for the Central Secretariat Clerical Service. He may specify in his application as many of these Services/posts as he may wish to be considered for.

N.B.—Candidates are required to specify clearly the order of preferences for the Services/posts for which they wish to be considered. No request for alteration in the order or preference for the Services/posts originally indicated by a candidate in his application, would be considered unless such a request is received in the office of the Institute of Secretarial Training & Management within three months of the date of the examination.

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Institute. Reservation will be made for candidates who are Ex-Servicemen and for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

Ex-Serviceman means a person who has served in any rank (whether as a combatant or not) in the Armed Forces of the Union for a continuous period of six months and who has been released otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency.

*Explanation.*—For the purposes of these Rules "Armed Forces of the Union" shall include the Armed Forces of the former Indian States but does not include members of the following Forces, namely :—

- (a) Assam Rifles;
- (b) Lok Sahayak Sena; and
- (c) General Reserve Engineer Force.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Scheduled Castes/Tribes Lists (Modification) Order, 1956, read with the Bombay Reorganisation Act, 1960, and the Punjab Reorganisation Act, 1966; the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1956, the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes, Order, 1956, the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order,

1962, the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes, Order, 1964, the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968 and the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970.

3. The examination will be conducted by the Institute of Secretarial Training & Management in the manner prescribed in Appendix I to the Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Institute.

4 A candidate must be either—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Sikkim, or
- (c) a subject of Nepal, or
- (d) a subject of Bhutan, or
- (e) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (f) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Bangla Desh, Burma, Sri Lanka and East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (c), (d), (e) and (f) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will not however, be necessary in the case of candidates belonging to any one of the following categories :—

- (i) Persons who migrated to India from Pakistan before the nineteenth day of July, 1948 and have ordinarily been residing in India since then.
- (ii) Persons who migrated to India from Pakistan on or after the nineteenth day of July, 1948, and have got themselves registered as citizens of India under Article 6 of the Constitution of India.
- (iii) Non-citizens in category (f) above who entered service under the Government of India before the commencement of the Constitution viz., 26th January, 1950, and who have continued in such service since then. Any such person who re-entered or may re-enter such service with break after the 26th January, 1950, will, however, require certificate of eligibility in the usual way.

Provided further that candidates belonging to categories (c), (d) and (e) above will not be eligible for appointment to the Indian Foreign Service Service (B)-Grade VI.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination and he may also provisionally be appointed subject to the necessary certificate being given to him by the Government.

5. No candidate who does not belong to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe or is not a resident of the Union Territory of Pondicherry or is not a resident of the Union Territory of Goa, Daman and Diu, or is not a migrant from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) shall be permitted to compete more than two times at the examination but this restriction is effective from the examination held in 1961.

NOTE 1.—If it is found at any time before or after the publication of the results of the examination that the candidate had already appeared in the examination twice and was thus ineligible to sit in the examination, his result will be withheld or cancelled, as the case may be, and further action taken as per rule 15.

NOTE 2.—For the purpose of this rule, a candidate shall be deemed to have competed at the examination once, for

all the Services/posts covered by the examination, if he competes for any one or more of Services/posts.

**NOTE 3.**—A candidate shall be deemed to have competed at the examination, if he actually appears in any one or more subjects.

6. (a) A candidate for this examination must have attained the age of 18 years and must not have attained the age of 25 years on 1st January 1975 i.e. he must have been born not earlier than 2nd January 1950 and not later than 1st January, 1957.

(b) The upper age limit will be relaxable in the case of ex-Servicemen, who have put in not less than six months continuous service in the Armed Forces of the Union, to the extent of their total service in the Armed Forces increased by three years.

Provided that candidates admitted to the examination under this age concession will be eligible to compete for the vacancies reserved for ex-Servicemen only.

**NOTE.**—The period of "call up service" of an Ex-Serviceman in the Armed Forces shall also be treated as service rendered in the Armed Forces for purpose of rule 6(b) above.

(c) The upper age limit prescribed above will be further relaxable :—

- (i) upto a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide displaced person from Bangla Desh ( erstwhile East Pakistan) and has migrated to India on or after 1st January, 1964, but before 25th March 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide displaced person from Bangla Desh ( erstwhile East Pakistan) and has migrated to India on or after 1st January, 1964, but before 25th March, 1971;
- (iv) up to a maximum of five years if a candidate is a resident of the Union Territory of Pondicherry and has received education through the medium of French at some stage;
- (v) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vii) up to a maximum of three years if a candidate is a resident of the Union Territory of Goa, Daman and Diu;
- (viii) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar);
- (ix) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (x) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (xi) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a

disturbed area, and released as a consequence thereof;

(xii) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;

(xiii) up to a maximum of three years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during the Indo-Pakistan hostilities of 1971 and released as a consequence thereof; and

(xiv) up to a maximum of eight years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during the Indo-Pakistan hostilities of 1971 and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.

(d) The upper age limit will be relaxable up to the age of 35 years in respect of persons who have been regularly appointed as Clerks in the various Departments/Offices of the Government of India and in the Office of the Election Commission, and have rendered not less than 3 years' continuous service as Clerks on 1-1-1975 and who continue to be so employed.

Provided that the above age relaxation will not be admissible to persons appointed as Clerks in the Ministries/Departments and Attached Offices participating in (i) Central Secretariat Clerical Service, (ii) Indian Foreign Service (B), (iii) Railway Board Secretariat Clerical Service, and (iv) Armed Force Headquarters Clerical Service and to persons who are ex-Servicemen competing at the examination for vacancies reserved for ex-Servicemen.

(e) The upper age limit will be relaxable up to the age of 35 years in respect of persons who have been employed as Hindi Clerks/Hindi Typists in the various Ministries/Departments and Attached Offices participating in the Central Secretariat Clerical Service and have rendered not less than 3 years continuous Service as Hindi Clerks/Hindi Typists on 1-1-1975 and who continue to be so employed.

Provided that a Hindi Clerk/Hindi Typist admitted to the examination under this age concession shall be eligible to compete for vacancies in the Central Secretariat Clerical Service only.

(f) The upper age limit will be relaxable upto 45 years in respect of Serviced Clerks in the last year of their colour service in the Armed Forces, i.e. those who are due for release from the Army during the period from 2nd January, 1975 to 1st January, 1976.

Provided that candidates admitted to the examination under this age concession will be eligible to compete only for vacancies in Armed Forces Headquarters and Inter-Services Organizations, which are not reserved for ex-Servicemen.

**Note 1.**—Service rendered by R.M.S. Sorters employed in subordinate offices of P. & T. Department shall be treated as service rendered in the grade of Clerk for purpose of Rule 6(d) above.

**NOTE 2.**—The candidature of a person who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 6(d) and Rule 6(e) above, is liable to be cancelled, if after submitting his application, he resigns from service or his services are terminated by his Department, either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible if he is retrenched from the Service or post after submitting his application.

**NOTE 3.**—A Clerk who is on deputation to an ex-cadre post with the approval of the competent authority will be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible.

**SAVE AS PROVIDED ABOVE, THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.**

7. Candidates must have passed one of the following examinations or possess one of the following certificates :—

- (i) Matriculation Examination of any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India;

- (ii) An examination held by a State Education Board at the end of the Secondary School Course for the award of a School Leaving, Secondary School, High School or any other Certificate, which is accepted by the Government of that State as equivalent to Matriculation Certificate for entry into service;
- (iii) Cambridge School Certificate Examination (Senior Cambridge);
- (iv) European High School Examination held by the State Government;
- (v) Tenth Class Certificate from the Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic;
- (vi) Pass in the examination held by a recognised Higher Secondary/Multipurpose School in India, at the end of the penultimate year of a Higher Secondary Course/Multipurpose Course (which enables a candidate to get admission to the 3 year degree course);
- (vii) Tenth Class Certificate from a recognised School preparing students for the Indian School Certificate Examination;
- (viii) Tenth Class Certificate of the Higher Secondary Course of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry;
- (ix) Junior examination of the Jamia Millia Islamia, Delhi in the case of bona fide resident students of the Jamia only;
- (x) Bengal (Science) School Certificate;
- (xi) Final School Standard Examination of the National Council of Education, Jadavpur, West Bengal (Science inception);
- (xii) 'Vinit' examination of the Gujarat Vidyapith, Ahmedabad;
- (xiii) The following French Examinations of Pondicherry:
- (i) 'Brevet Elementaire', (ii) 'Brevet d' Enseignement Primaire de Langue Indienne', (iii) 'Brevet D' etudes du Premier Cycle', (iv) 'Brevet D' Enseignement Primaire Supérieur de Langue Indienne' and (v) 'Brevet de Langue Indienne (Vernacular).
- (xiv) Pass in the 5th year of 'Lyceum', a Portuguese qualification in Goa, Daman and Diu;
- (xv) Indian Army Special Certificate of Education;
- (xvi) Higher Educational Test of the Indian Navy;
- (xvii) Advanced Class (Indian Navy) Examination;
- (xviii) Ceylon Senior School Certificate Examination;
- (xix) Certificate granted by the East Bengal Secondary Education Board, Dacca;
- (xx) Secondary School Certificate granted by the Board of Secondary Education at Comilla/Rajshahi/Khulna/Jessore in Bangla Desh;
- (xxi) School Leaving Certificate Examination of the Government of Nepal;
- (xxii) Anglo-Vernacular School Leaving Certificate Burma;
- (xxiii) Burma High School Final Examination Certificate with eligibility for University course;
- (xxiv) Anglo-Vernacular High School Examination of the Education Department, Burma (Pre-War);
- (xxv) Post-War School Leaving Certificate of Burma;
- (xxvi) General Certificate of Education Examination of Ceylon at 'Ordinary level' provided it is passed in five subjects.
- (xxvii) General Certificate of Education Examination of the Associated Examination Boards, London at 'Ordinary level provided it is passed in five subjects including English;
- (xxviii) Junior/Secondary Technical School examination conducted by any of the State Boards of Technical Education;
- (xxix) Purva Madhyama (with English) or old Khand Madhyama (first two years course) and special examination in additional subjects, with English as one of the subjects of the Varanseya Sanskrit Vishwa Vidyalaya, Varanasi;
- (xxx) Carta de Curso de Formasco de Serralheiro (Certificate in Smithy Course) and Carta de Curso de Montador Electricist (Certificate in Electrician Course) awarded by the Escola Industrial Commericial de Goa, Panaji, under the Portuguese set-up prior to Liberation of Goa, Daman and Diu;
- (xxxi) Rahtriya Indian Military College Diploma Examination;
- (xxxii) 'Madhyama' examination conducted by the Rashtriya Sanskrit Sansthan, New Delhi;
- (xxxiii) IAF Educational Test for promotion to the rank of Corporal conducted by the Directorate of Education, Air Headquarters, New Delhi;
- (xxxiv) Qualifying Science Examination, 1965, conducted by the Delhi University;
- (xxxv) Malaysian Certificate of Education Examination of the University of Cambridge Local Examination Syndicate conducted in collaboration with the Ministry of Education, Malaysia;
- (xxxvi) Higher Secondary (Core Subjects) Examination of Punjab University;
- (xxxvii) Passing out (Indian Navy) Examination conducted by Boys Training Establishment, Vishakhapatnam.
- (xxxviii) Certificate of Anglo-Indian High School Examination (Standard XI) issued by the Inspection of Anglo-Indian School, Madras; and
- (xxxix) Indian Certificate of Secondary Education Examination (Class X Examination) conducted by the council for the Indian Certificate Examination provided it is passed in five subjects which should include Mathematics, Science and at least two languages. The fifth subject could be any of the remaining subjects in Group I (Indian History & Culture, Civics and Geography) or any of the subjects in Group II (Art, Woodwork or Metal Work with technical Drawings, Elements of Home Science, Elements of Accounts and Shorthand and Typewriting with office practice).
- (xxxx) National Form IV Examination conducted by the Examination Council of the Government of Tanzania.

**NOTE I.**—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to this examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply, provided the qualifying examination is completed before the commencement of this examination. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible and in any case not later than two months after the commencement of this examination.

**NOTE II.**—In exceptional cases, the Central Government may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule, as educationally qualified provided that he possesses qualifications, the standard of which, in the opinion of that government justified his admission to the examination.

## 8. (i) No person

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or  
 (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

(ii) A person married to a foreign national shall not be eligible for appointment to the Indian Foreign Service (B)—Grade VI.

(iii) A person with more than three children will not be eligible for appointment to the Indian Foreign Service (B)—Grade VI.

9. A candidate already in Government service, whether in a permanent or temporary capacity, must obtain prior permission of the Head of the Department to appear for the Examination.

10. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient discharge of his duties as an officer of the service. A candidate, who after such medical examination as may be prescribed by the competent authority, is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Only such candidates as are likely to be considered for appointment will be medically examined.

**NOTE.**—In the case of the disabled ex-Defence Services personnel, a certificate of fitness granted by the Demobilisation Medical Board of the Defence Services will be considered adequate for the purpose of appointment.

11. The decision of the Institute as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

12. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Institute.

13. Candidates except Ex-Servicemen released from the Armed Forces and those who are granted remission of fee vide para 8(iv) of the Institute's Notice, must pay the fee prescribed in para 8(i) of the Institute's Notice.

14. Any attempt on the part of a candidate to obtain support for his candidature by any means may disqualify him for admission.

15. A candidate who is or has been declared by the Institute guilty of impersonation or of submitting fabricated documents or documents which have been tampered with or making statements which are incorrect or false or of suppressing material information or resorting to any other irregular or improper means for obtaining admission to the examination or of using or attempting to use unfair means in the examination hall or its precincts, or of not complying with the Instructions issued by the Institute or the Supervisor/Invigilator, may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution—

(a) be debarred permanently or for a specified period:—

(i) by the Institute from admission to any examination or appearance at any interview held by the Institute for selection of candidates, and

(ii) by the Central Government from employment under them;

(b) be liable to disciplinary action under the appropriate rules, if he is already in service under Government.

16. After the examination, the candidates who qualify at the typewriting test or are exempted therefrom will be arranged by the Institute in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate at the written examination; and in that order so many candidates

as are found by the Institute to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unoccupied vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that the candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Institute of Secretariat Training and Management by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for selection to the Service, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

Provided further that ex-servicemen belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Institute of Secretariat Training & Management by a relaxed standard to make up the deficiency in the quota reserved for them out of the quota of vacancies reserved for ex-servicemen, subject to the fitness of these candidates for selection to the Service irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

17. Due consideration will be given at the time of making appointments on the results of the examination to the preference expressed by a candidate for various Services/posts at the time of his application (*cf.* Col. 14 of the application form).

18. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Institute in its discretion, and the Institute will not enter into correspondence with them regarding the result.

19. Success in the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary that the candidate is suitable in all respects for appointment to the Service/post.

20. Conditions of service relating to the Services/posts to which recruitment is being made through this examination are briefly stated in Appendix II.

K. B. NAIR  
Under Secretary

## APPENDIX I

1. The examination will be conducted according to the following schemes:—

## PART I

*Written examination.*—The subjects of the written examination, the time allowed and the maximum marks for each subject will be as follows:—

Paper Subject No.	Maximum Marks	Time allowed
I, General English & Short Essay		
(a) Short Essay	100	3 hours
(b) General English	100	(200)
II, General Knowledge including Geography of India	100	2 hours

## PART II

*Typewriting Test.*—Only those candidates who attain, at written examination, a minimum standard as may be fixed by the Institute in their discretion, will be eligible to take the Typewriting Test.

The Typewriting Test will consist of the following two papers:—

Paper No.	Subject	Time allowed
1.	Running Matter	10 minutes.
2.	Tabular Statement	10 minutes

Only such candidates as qualify at the Typewriting Test at a speed of not less than 30 w.p.m. in English or not less than 25 w.p.m. in Hindi will be eligible for being recommended for appointment in terms of rule 16 of the Rules for the examination.

*Note I*—Candidates who have already passed one of the periodical Typewriting Tests in English or Hindi held by the Union Public Service Commission or the Secretariat Training School or the Institute of Secretariat Training and Management at a speed of 30 words per minute in English or 25 words per minute in Hindi need not appear at the Typewriting Test in this examination. Such candidates must indicate their Roll Number and the date of the Typewriting Test which they have passed.

*Note II*—A candidate, who furnishes, along with his application for admission to the examination, a certificate from the competent medical authority, i.e. the Civil Surgeon, declaring him to be permanently unfit to pass the typewriting test because of a physical disability may with the prior approval of the Central Government in the Department of Personnel and Administrative Reforms in the Cabinet Secretariat, be exempted from the requirement of appearing and qualifying at such test.

*Note III*—Candidates will be required to bring their own typewriters for the typewriting test. A typewriter with the standard size roller will do for both the papers of the test.

2. The syllabus for the written examination will be as shown in the Schedule to this Appendix.

3. Candidates are allowed the option to answer item (a) of paper I or paper II or both either in Hindi (in Devanagri script) or in English. Item (b) of paper I must be answered in English by all candidates.

Candidates are also allowed the option to take the Typewriting Test either in Hindi (in Devanagri Script) or in English.

*Note 1*—The option for paper II will be for the complete paper and not for different questions in it.

*Note 2*—Candidates desirous of exercising the option to answer the aforesaid papers of the written examination/take the Typewriting Test in Hindi (in Devanagri Script) should indicate their intention to do so clearly in Cols. 8 and 9 of the application form. Otherwise it would be presumed that they would answer the papers/take the Typewriting Test in English.

*Note 3*—The option once exercised will be final and no request for change of option will ordinarily be entertained.

*Note 4*—No credit will be given for answers written or Typewriting Test taken in a language other than the one opted by the candidate.

4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write down answers for them.

5. The Institute has discretion to fix qualifying marks in any or all subjects of the examination.

6. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

7. Deduction up to 5 per cent of the maximum marks will be made for illegible handwriting.

8. Credit will be given for orderly, effective and exact expression, combined with due economy of words in all subjects of the written examination.

#### SCHEDULE SYLLABUS OF THE EXAMINATION

##### General English and Short Essay

(a) *Short Essay*—An essay to be written on one of the several specified subjects.

(b) *General English*—Candidates will be tested in the following :—

(1) Drafting;

- (2) Precis writing;
- (3) Applied Grammar; and
- (4) Elementary tabulation (To test candidates' ability in the art of compiling, arranging and presenting data in a tabular form).

##### General Knowledge including Geography of India

Knowledge of current events and of such matters of everyday observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. The paper will include questions on Geography of India.

#### APPENDIX II

Brief particulars relating to the Services/posts to which recruitment is being made through this examination.

##### A. Central Secretariat Clerical Service

The Central Secretariat Clerical Service has two grades as follows :

- (i) *Upper Division Grade*—Rs. 330—10—380—EB—12—500—EB—15—560.
- (ii) *Lower Division Grade*—Rs. 260—6—290—ER—6—326—8—366—EB—8—390—10—400.

2. Persons recruited to the Lower Division Grade will be on probation for a period of two years during which they will undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the tests may result in the discharge of the probationer from service.

3. On the conclusion of the period of probation, Government may confirm the clerk on probation or, if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, he may either be discharged from service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

4. Persons recruited to the Lower Division Grade will be posted to one of the Ministries/Offices participating in the Central Secretariat Clerical Service Scheme. They may, however, at any time be transferred to any other Ministry or Office participating in the Central Secretariat Clerical Service.

5. Persons recruited to the Lower Division Grade will be eligible for promotion to the Upper Division Grade in accordance with the rules in force from time to time in this behalf. Permanent or regularly appointed temporary Lower Division Clerks who have completed 5 years of approved and continuous service in the Lower Division Grade on the crucial date as specified by the Government in this behalf will be eligible to appear in the Upper Division Grade Limit Departmental Competitive Examination.

6. Persons recruited to the Lower Division Grade will be eligible to take the Grade III Stenographers' Examination after rendering not less than three years approved and continuous service on the crucial date as specified by the Government in this behalf. The upper age limit for this examination is 35 years on the crucial date.

7. Persons recruited to the Lower Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service in pursuance of their option for that Service will not, after such appointment, have any claim for transfer or appointment to the Indian Foreign Service (B) or the Railway Board Secretariat Clerical Service.

##### B. Railway Board Secretariat Clerical Service.

The service conditions of the Lower Division Clerks employed in the Ministry of Railways, so far as recruitment, training, promotion etc., are concerned, are regulated by the Railway Board Secretariat Clerical Service Rules 1970 which are on the lines of Central Secretariat Clerical Service Rules, 1962 as amended from time to time.

2. The Railway Board Clerical Service consists of the following two grades :—

(i) *Upper Division Grade*.—Rs. 330—10—380—EB—12—500—EB—15—560.

(ii) *Lower Division Grade*.—Rs. 260—6—290—EB—6—326—8—366—EB—8—390—10—400.

3. Direct recruitment is made in Lower Division Grade only. Persons recruited to Lower Division Grade will be on probation for a period of two years during which they will undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by the Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the test may result in their discharge from service.

4. The posts in Upper Division Grade are required to be filled by promotion/appointment in equal proportion from amongst the following staff :

- (a) Permanent officers of the Lower Division Grade who have rendered not less than 8 years' approved service in order of seniority in the Grade subject to the rejection of the unfit; and
- (b) Members of the Lower Division Grade selected on the results of the Limited Departmental Competitive Examination held for this purpose from time to time in the order of their merit.

Until the results of the first limited competitive examination referred to at (b) above are announced, all the vacancies in the Upper Division Grade will be filled in the manner at (a) above.

5. Members of the Lower Division Grade or the Upper Division Grade of the Railway Board Secretariat Clerical Service are eligible to appear in the Stenographers' Grade III Limited Departmental Competitive Examination after rendering not less than 3 years' approved and continuous service on the crucial date as specified by the Govt. in this behalf. The Upper age limit for this examination is 35 years on the crucial date.

6. The Railway Board Secretariat Clerical Service is confined to the Ministry of Railways and the staff are not liable to transfer to other Ministries as in the Central Secretariat Clerical Service.

7. Officers of the Railway Board Secretariat Clerical Service recruited under these rules—

- (i) will be eligible for pensionary benefits; and
- (ii) shall subscribe to the non-contributory State Railway Provident Fund under the rules of that fund as are applicable to Railway Servants appointed on the date they join service.

8. The staff employed in the Ministry of Railways are entitled to the privilege of passes and privilege ticket orders on the same scale as are admissible to other Railway staff.

9. As regards leave and other conditions of service, staff included in the Railway Board's Secretariat Clerical Service are treated in the same way as other Railway staff but in the matter of medical facilities they will be governed by the rules applicable to other Central Government employees with headquarters at New Delhi.

#### C. Indian Foreign Service (B)-Grade VI

The scale of pay.—Rs. 260—6—290—EB—6—326—8—366—EB—8—390—10—400.

2. Officers appointed to Grade VI of the Indian Foreign Service (B), when posted abroad, will be eligible for such allowances and free furnished accommodation as are admissible to that grade of I.F.S.(B) officers from time to time.

3. Candidates appointed to the Indian Foreign Service (B) on the results of this examination will be liable to serve in any post either at Headquarters, anywhere in India, or abroad to which they may be posted by the Controlling Authority.

4. The conditions for appointment, confirmation and seniority in the Service will be governed by the relevant provisions of the I.F.S.(B) (Recruitment, Cadre, Seniority and Promotion) Rules, 1964 and also by any other rules or orders which Government may hereafter make.

#### D. Armed Forces Headquarters Clerical Service

The Armed Forces Headquarters Clerical Service has two grades as follows :—

*Upper Division Grade*.—Rs. 330—10—380—EB—12—500—EB—15—560.

*Lower Division Grade*.—Rs. 260—6—290—EB—6—326—8—366—EB—8—390—10—400.

The posts in *Upper Division Grade* are filled by promotion from among *Lower Division Clerks*. Direct recruitment is made in *Lower Division Grade* only.

2. Persons recruited to the *Lower Division Grade* will be on probation for two years, which period may be extended or curtailed at the discretion of the competent authority. Unsatisfactory record of service during this period may result in discharge of the probationer from service. During the period of probation, they may be required to undergo such training and pass such tests as may be prescribed from time to time.

3. Lower Division Clerks will be eligible for confirmation and promotion in accordance with the rules in force from time to time.

4. Lower Division Clerks recruited to the AFHQ Clerical Service will be generally posted to any office of the Armed Forces Headquarters and Inter-Service Organizations located in Delhi/New Delhi. They will also be liable to be posted anywhere within India in the public interest.

5. Leave, medical aid and other conditions of service will be the same as applicable to other Ministerial staff employed in the AFHQ and Inter-Service Organizations.

#### E. Department of Parliamentary Affairs.

The scale of pay for the posts of Lower Division Clerk in the Department is Rs. 260—6—290—EB—6—326—8—366—EB—8—390—10—400.

Candidates appointed to the Service by selection through the competitive examination shall be on probation for a period of two years.

#### F. Indo-Tibetan Border Police

The scale of pay for the posts of Lower Division Clerks in the Indo-Tibetan Border Police is Rs. 260—6—290—EB—6—326—8—366—EB—8—390—10—400.

Candidates appointed to these post on the results of this examination will be on probation for a period of two years.

### MINISTRY OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE

New Delhi, the 28th October 1974

No. F. 1-2/71-PR-II/Plg. II.—Shri Jagjit Singh Anand, M.P. has been elected by the Rajya Sabha to serve as Member of the Central Advisory Board of Education upto 31st March, 1976.

2. The following members have been nominated by the Government of India as members of the Central Advisory Board of Education for the period indicated against each :—

- (i) Dr. M. L. Shahare upto 18th November, 1976.
- (ii) Rev. B. N. Pugh upto 27th November, 1976.
- (iii) Prof. M. V. Mathur upto 31st March, 1975.

3. Shri N. D. Sundaravadivelu, Vice-Chancellor, University of Madras and Dr. S. K. Dutta, Vice-Chancellor, Kurukshetra University have been nominated as representatives of the Association of Indian Universities on the Central Advisory Board of Education upto 31st March, 1977.

4. Dr. C. Prasad, Assistant Director General (Education), I.C.A.R., has been nominated as a representative of the Indian Council of Agricultural Research on the Central Advisory Board of Education upto 31st March, 1976.

K. K. KHULLAR,  
Under Secy.

**MINISTRY OF INFORMATION AND  
BROADCASTING**

New Delhi, the 16th October 1974

**RESOLUTION**

F. No. 5/3//74-FPC(B).—Following the recommendations of the Film Enquiry Committee, 1951, the Government of India had established in 1960 the Film Institute of India at Poona with the object of providing within the country facilities for imparting technical training in a scientific and systematic manner, in the art and craft of film-making and thus helping in the improvement of technical as well as aesthetic standards of Indian films. With the extension of its sphere of activity to television, the Institute was renamed as the 'Film and Television Institute of India'. This Institute functioned as a subordinate office of the Ministry of Information and Broadcasting.

2. In November 1971, the Government of India appointed a Committee to enquire into the working of the Film and Television Institute of India, Poona. This Committee undertook a comprehensive review of various activities of the Institute and made a series of recommendations aimed at improving the teaching, research and the administrative functioning of the Institute. The Committee *inter alia* recommended that the Institute should be given much larger measure of administrative autonomy to enable it to achieve its objectives.

3. Following this recommendation the Government of India converted the Film and Television Institute of

India, Poona into a self-governing Society under the Societies' Registration Act (XXI) of 1860 with effect from the 1st October, 1974.

4. The aims and objectives of the new Institute are as follows :—

- (1) to takeover and carry on the administration and management of the former Film and Television Institute of India;
- (2) to develop suitable patterns of teaching in all branches of film art including television, both at undergraduate and post-graduate levels so as to establish high standards of film education in India;
- (3) to constantly endeavour at raising the technical standards of Indian films so as to make them aesthetically more satisfying and acceptable;
- (4) to facilitate regular inflow of fresh ideas and new techniques in the field of cinema and television and a corresponding outflow of trained personnel imbibing these ideas and techniques;
- (5) to produce trained manpower both for the growing needs of the film industry and television organisations in India; and
- (6) to create a new awareness among the future film-makers of the potentialities of film medium as a means of not only entertainment but also of education and artistic expression.

5. The Society comprising both official and non-official members has taken over the Institute with effect from 1st October, 1974.

**ORDER**

ORDERED that a copy of the Resolution be forwarded to all Ministries and Departments of the Government of India and the Film and Television Institute of India, Poona.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

S. M. MURSHED  
Director

